Syllabus

UNDER GRADUATE COURSE FOR
SANSKRIT (PROGRAMME)

UNDER

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM
(CBCS)

2019-20

Department of Sanskrit

Dr. Harisingh Gour Vishwavidyalaya, Sagar (M.P.)

[A Central University]

B. A. I Sem. Sanskrit

Course	Code	Paper Title	L	T	P	C
SAN-CC	111	संस्कृत काव्य	5	1	0	6
SAN-LN	111	उपनिषद् तथा गीता	5	1	0	6
SAN-FC	111	संस्कृत भाषा सम्प्रेषण	2	0	0	2

B. A. II Sem. Sanskrit

Course	Code	Paper Title	L	T	P	C
SAN-CC	211	संस्कृत गद्य काव्य	5	1	0	6
SAN-LN	211	नीति साहित्य	5	1	0	6
SAN-FC	211	संस्कृत भाषा सम्प्रेषण	2	0	0	2

B. A. III Sem. Sanskrit

Course	Code	Paper Title	L	T	P	C
SAN-CC	311	संस्कृत नाट्य	5	1	0	6
SAN-LN	311	उपनिषद् तथा गीता	5	1	0	6
SAN-SE	311	भारतीय रंगमंच	2	0	0	2

B.A. IV Sem. Sanskrit

Course	Code	Paper Title	L	T	P	C
SAN-CC	411	संस्कृत व्याकरण	5	1	0	6
SAN-LN	411	नीति साहित्य	5	1	0	6
SAN-SE	411	योगसूत्र	2	0	0	2

B. A. V Sem. Sanskrit

Course	Code	Paper Title	L	T	P	C
SAN-SE	511	आयुर्वेद के मूल तत्त्व	2	0	0	2
SAN-EC	511	संस्कृत परम्परा में दर्शन, धर्म एवं संस्कृति	5	1	0	6
SAN-EC	512	व्यक्तित्व विकास में भारतीय दृष्टिकोण	5	1	0	6
SAN-GE	511	संस्कृत छन्द एवं गान	5	1	0	6
SAN-GE	512	संस्कृत में राजनीतिक विचार	5	1	0	6

B. A. VI Sem. Sanskrit

Course	Code	Paper Title	L	T	P	C
SAN-SE	611	ज्योतिष के मूल तत्त्व	2	0	0	2
SAN-EC	611	काव्यशास्त्र	5	1	0	6
SAN-EC	612	संस्कृत साहित्य में राष्ट्रीयता	5	1	0	6
SAN-GE	611	संस्कृत साहित्य में नैतिक विषय	5	1	0	6
SAN-GE	612	संस्कृत भाषाविज्ञान के मूल तत्त्व	5	1	0	6

संस्कृत–विभाग, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

बी.ए. पाठ्यक्रम (कार्यक्रम) में चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली के लिए प्रस्तावित योजना

PROPOSED SCHEME FOR CHOICE BASED CREDIT SYSTEM IN B.A. PROGRAMME

क्रम S,N.	मूल पाठयक्रम Core Course/Lang Course (6 क्रेडिट)	क्षमता संवर्धन अनिवार्य पाठश्यक्रम Ability Enhancement Compulsory Course (AECC) (2 क्रेडिट)	कौशल विकास कोर्स Skil Enhancement Course (SEC) (2 क्रेडिट)	अनुशासन विशिष्ट वैकल्पिक Discipline Specific Elective (DSE) (6 क्रेडिट)	सामान्य वैकल्पिक Generoc Elective (GE) (6 क्रेडिट)
I	**SAN-CC-111**(6 क्रेडिट) संस्कृत काव्य **SAN-LN-111** (6 क्रेडिट) MIL Sanskrit B.A./B.Com उपनिषद् तथा गीता	**SAN- FC-111** (2 क्रेडिट) संस्कृत भाषा सम्प्रेषण B.A./B.Sc/B.Com			
II	**SAN-CC-211**(6 क्रेडिट) संस्कृत गद्य काव्य **SAN-LN- 211** (6 क्रेडिट) MIL Sanskrit B.A./B.Com नीति साहित्य	**SAN- FC-211** (2 क्रेडिट) संस्कृत भाषा सम्प्रेषण B.A./B.Sc/B.Com			
III	**SAN CC-311**(6 क्रेडिट) संस्कृत नाट्य **SAN-LN- 311** (6 क्रेडिट) MIL Sanskrit B.A./B.Com उपनिषद् तथा गीता		**SAN-SE-311** (2 क्रेडिट) भारतीय रंगमंच		
IV	**SAN CC-411** (6 क्रेडिट) संस्कृत व्याकरण **SAN-LN- 411** (6 क्रेडिट) MIL Sanskrit B.A./B.Com नीति साहित्य		**SAN-SE-411** (2 क्रेडिट) योगसूत्र		

V			**SAN-SE-511** (2 क्रेडिट) आयुर्वेद के मूल तत्त्व	**SAN-EC-511** (6 क्रेडिट) संस्कृत परम्परा में दर्शन, धर्म एवं संस्कृति **SAN-EC-512** (6 क्रेडिट) यक्तित्व विकास में भारतीय दृष्टिकोण	**SAN-GE-511** (6 क्रेडिट) संस्कृत छन्द एवं गान **SAN-GE-512** (6 क्रेडिट) संस्कृत में राजनीतिक विचार
VI			**SAN-SE-611** (2 क्रेडिट) ज्योतिष के मूल तत्त्व	**SAN-EC-611** (6 क्रेडिट) काव्यशास्त्र **SAN-EC-612** (6 क्रेडिट) संस्कृत साहित्य में राष्ट्रीयता	**SAN-GE-611** (6 क्रेडिट) संस्कृत साहित्य में नैतिक विषय **SAN-GE-612** (6 क्रेडिट) संस्कृत भाषाविज्ञान के मूल तत्त्व

निर्देश :

1. पाठ्यक्रम का नाम – B.A.
2. पाठ्यक्रम की अवधि
   (a) न्यूनतम अवधि –03 वर्ष
   (b) अधिकतम अवधि –05 वर्ष
3. पाठ्यक्रम की संरचना
   (a) कोर प्रश्नपत्रों की संख्या –12
   (b) AECC प्रश्नपत्रों की न्यूनतम संख्या = 02
   (c) SEC प्रश्नपत्रों की न्यूनतम संख्या = 04
   (d) DSE प्रश्नपत्रों की न्यूनतम संख्या = 04
   (e) GE प्रश्नपत्रों की न्यूनतम संख्या = 02
4. क्रेडिट संख्या –

(a)	कोर प्रश्नपत्र	= 12 प्रश्नपत्र X 06 क्रेडिट	= 72 क्रेडिट
(b)	AECC प्रश्नपत्र	= 02 प्रश्नपत्र X 02 क्रेडिट	= 04 क्रेडिट
(c)	SEC प्रश्नपत्र	= 04 प्रश्नपत्र X 02 क्रेडिट	= 08 क्रेडिट
(d)	DSE प्रश्नपत्र	= 04 प्रश्नपत्र X 06 क्रेडिट	= 24 क्रेडिट
(e)	GE प्रश्नपत्र	= 02 प्रश्नपत्र X 06 क्रेडिट	= 12 क्रेडिट
	————————————		कुल = 120 क्रेडिट

5. प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंकों का होगा।
6. सभी प्रश्नपत्र पांच इकाईयों में विभक्त होंगे।
7. इकाईयों में से यथायोग्य व्याख्यात्मक, दीर्घ एवं लघु प्रश्न पूछे जाएंगे।
8. अंक विभाजन

मिड सेमेस्टर	–	20 अंक
आन्तरिक आकलन	–	20 अंक
सतत मूल्यांकन	–	20 +20 = 40 अंक
सत्रान्त परीक्षा	–	60 अंक
प्रत्येक प्रश्नपत्र के कुल अंक	–	100 अंक

9. प्रदत्त कार्य का मूल्यांकन, प्रस्तुति – 15 अंक
   उपस्थिति – 05 अंक
   उपस्थिति के लिए अंक निम्नलिखित अनुसार होंगे –

i. 75% और न्यून. : 00 अंक
ii. > 75% और 80% तक : 01 अंक
iii. > 80% और 85% तक : 02 अंक
iv. > 85% और 90% तक : 03 अंक
v. > 90% और 95% तक : 04 अंक
vi. > 95% : 05 अंक

10. 75% से कम उपस्थिति होने पर विद्यार्थियों को परीक्षा में सम्मिलित होने की पात्रता नहीं होगी।

11. सत्रान्त परीक्षा देने की पात्रता के लिए विद्यार्थियों की मिड सेमेस्टर परीक्षा तथा आन्तरिक आकलन में उपस्थिति अनिवार्य हैं।

12. **समवर्गी एवं सम्बद्ध विषय**– वेद, वेदांग, ज्योतिष, सिद्धान्त ज्योतिष, नव्यव्याकरण, व्याकरण, मीमांसा, नव्यन्याय, सांख्य योग, तुलनात्मक दर्शन, शुक्लयजुर्वेद, मध्ववेदान्त, धर्मशास्त्र, साहित्य, पुराणेतिहास, आगम

B.A. (Prog)

1. LNG
   Core Papers for Sanskrit
   (Any 2 Paper From Sanskrit) *6 Credits = 12 Credits
   (Any 2 Paper From English) *6 Credits = 12 Credits
   Total = 24

2. DSC
   (4 Papers From Sanskrit) *6 Credits = 24 Credits
   (4 Papers From Other) *6 Credits = 24 Credits
   Total = 48

3. AECC (MIL / EVS)
   (Any 1 Paper From Sanskrit/ English) *2 Credits = 02 Credits
   (Any 1 Paper From EVS) *2 Credits = 02 Credits
   Total = 04

4. SEC
   (Any 2 Paper From Sanskrit) *2 Credits = 04 Credits
   (Any 2 Paper From Other) *2 Credits = 04 Credits
   Total = 08

5. DSE
   (Any 2 Paper From Sanskrit) *6 Credits = 12 Credits
   (Any 2 Paper From Other) *6 Credits = 12 Credits
   Total = 24

6. GE
   (Any 1 Paper From Sanskrit) *6 Credits = 06 Credits
   (Any 1 Paper From Other) *6 Credits = 06 Credits
   Total = 12

Grand Total = 120 Credits

B. A. I-Sem. **Sanskrit**	**SAN-CC–111** **संस्कृत काव्य**
कुल अध्ययन काल खण्ड / व्याख्यान– 90 6 व्याख्यान ×15 सप्ताह प्रति सेमस्टर	**L T P C** **5 1 0 6**

इकाई 1 महाकाव्य एवं गीतिकाव्य का सामान्य परिचय (कालिदास, अश्वघोष भारवि, माघ, श्रीहर्ष, भर्तृहरि, जयदेव, राधावल्लभ त्रिपाठी) (L 15, T 3)

इकाई 2 रघुवंशम् प्रथम सर्ग (L 15, T 3)

इकाई 3 शिशुपालवधम् प्रथम सर्ग (पद्य 1–50) (L 15, T 3)

इकाई 4 नीतिशतकम् (पद्य 1–50) (L 15, T 3)

इकाई 5 गीतगोविन्दम्–जयदेव (प्रथम सर्ग) (L 15, T 3)

मूलग्रन्थ :–

1. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास, आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी, वि.वि. प्रकाशन, वाराणसी।
2. रघुवंशम्, पं. शेषराज शर्मा 'रेग्मी', चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
3. शिशुपालवधम्, जनार्दन शास्त्री पाण्डेय, मोतीलाल बनारसी दास, वाराणसी।
4. नीतिशतकम, डॉ. राजेश्वर शास्त्री मुसलगांवकर, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी, 2011।
5. गीतगोविन्दम–जयदेव, प्रो. विद्यानिवास मिश्र, सम्पूर्णानन्द संस्कृत वि.वि. वाराणसी।

सहायकग्रन्थ :–

1. महाकविकालिदास, रमाशंकर तिवारी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
2. संस्कृत सुकवि समीक्षा, बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, वाराणसी
4. संस्कृत साहित्य का समग्र इतिहास (खण्ड 1–4), राधावल्लभ त्रिपाठी, न्यू भारतीय बुक कॉर्पोरेशन, दिल्ली, 2018

B. A. I-Sem. **Sanskrit**	**SAN-LN-111** **उपनिषद् तथा गीता**
कुल अध्ययन काल खण्ड / व्याख्यान– 90 6 व्याख्यान ×15 सप्ताह प्रति सेमस्टर	**L T P C** **5 1 0 6**

इकाई 1 उपनिषद् साहित्य का सामान्य परिचय (L 15, T 3)

इकाई 2 ईशावास्योपनिषद् (L 15, T 3)

इकाई 3 गीता अध्याय –2, श्लोक 1 से 38 (L 15, T 3)

इकाई 4 गीता अध्याय –2, श्लोक 39 से 72 (L 15, T 3)

इकाई 5 सामान्य परिचय– आत्मा, ब्रह्म, ईश्वर, कर्म, सृष्टि (L 15, T 3)

मूलग्रन्थ –

1. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास, आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी, वि.वि. प्रकाशन, वाराणसी।
2. ईशादि नौ उपनिषद् (शाङ्करभाष्यार्थ), गीता प्रेस गोरखपुर, सं. 2066।
3. श्रीमद्भगवद्गीता, गीता प्रेस गोरखपुर।
4. भारतीय दर्शन, पं. बलदेव उपाध्याय

सहायकग्रन्थ –

1. वैदिक साहित्य और संस्कृति – बलदेव उपाध्याय, वाराणसी, 1980।
2. वैदिक साहित्य तथा संस्कृति – कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी।
3. वैदिकसाहित्य का इतिहास, डॉ. पारस नाथ द्विवेदी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
4. Studies in Upanishads, Govind Gopal Mukhopadhyay, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
5. संस्कृत साहित्य का समग्र इतिहास (खण्ड 1–4), राधावल्लभ त्रिपाठी, न्यू भारतीय बुक कॉर्पोरेशन, दिल्ली, 2018

B. A. I-Sem. **Sanskrit**	**SAN-FC- 111** **संस्कृत भाषा सम्प्रेषण**
कुल अध्ययन काल खण्ड / व्याख्यान– 30 2 व्याख्यान ×15 सप्ताह प्रति सेमस्टर	**L T P C** **2 0 0 2**

इकाई 1 शब्दरूप – राम, मुनि, गुरु, पितृ, आत्मन्, दण्डिन्, रमा, मति, कुमारी, मातृ, फल, वारि, मधु, पयस्, जगत्, अस्मद्, युष्मद्, तद्, यद्, इदम्, एतद्, किम (L 6)

इकाई 2 धातुरूप– पठ्, भू, कृ, अस्, लभ्–(लट्लकार, लृट्लकार, लङ्लकार, लोट्, विधिलिङ्) (L 6)

इकाई 3 सन्धि– यण्, गुण्, दीर्घ, अयादि, वृद्धि, श्चुत्व अनुनासिकत्व, जश्त्व, उत्व, सत्व। (L 6)

इकाई 4 विभक्त्यर्थ प्रकरण (लघुसिद्धान्त कौमुदी से) (L 6)

इकाई 5 कृत प्रत्यय– तव्यत् अनीयर्, मत्, क्त, क्तवतु, शतृ, तुमुन् क्त्वा, ल्यप्। वाक्य रचना (L 6)

मूल ग्रन्थ –

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी, श्रीगोविन्दप्रसाद शर्मा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी।
2. लघुसिद्धान्तकौमुदी, धरानन्द शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी।
3. रचनानुवादकौमुदी,कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

सहायकग्रन्थ –

1. प्रारम्भिक रचनानुवादकौमुदी, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, वि.वि. प्रकाशन, वाराणसी
2. रचनानुवादकौमुदी, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, वि.वि. प्रकाशन, वाराणसी
3. प्रौढरचनानुवादकौमुदी, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, वि.वि. प्रकाशन, वाराणसी
4. अष्टाध्यायीसहजबोध, पुष्पा दीक्षित
5. संस्कृत साहित्य का समग्र इतिहास (खण्ड 1–4), राधावल्लभ त्रिपाठी, न्यू भारतीय बुक कॉर्पोरेशन, दिल्ली, 2018

B. A.II-Sem. Sanskrit	SAN-CC–211 संस्कृत गद्य काव्य
कुल अध्ययन काल खण्ड / व्याख्यान– 90 6 व्याख्यान ×15 सप्ताह प्रति सेमस्टर	L T P C 5 1 0 6

इकाई 1 गद्य का लक्षण, उद्भव, विकास एवं महत्त्व (L 15, T 3)

इकाई 2 गद्यकाव्य का सामान्य परिचय (सुबन्धु, बाण, दण्डी, अम्बिकादत्तव्यास, राधावल्लभ त्रिपाठी) (L 15, T 3)

इकाई 3 शुकनासोपदेश (L 15, T 3)

इकाई 4 शिवराज विजय (प्रथम निःश्वास) (L 15, T 3)

इकाई 5 हितोपदेश मित्रलाभ प्रस्ताविका से वृद्ध व्याघ्र–लोभी पथिक की कथा तक (L 15, T 3)

ग्रन्थ –

1. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास, आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी, वि.वि. प्रकाशन, वाराणसी।
2. शुकनासोपदेश, मोहनदेव पंत, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी।
3. शिवराजविजय, विजयशंकर चौबे, मोतीलाल बनारसीदास वाराणसी।
4. हितोपदेश मित्रलाभ, विश्वनाथ शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी।

सहायकग्रन्थ –

1. संस्कृत सुकवि समीक्षा, बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, वाराणसी
3. संस्कृत साहित्य का समग्र इतिहास (खण्ड 1–4), राधावल्लभ त्रिपाठी, न्यू भारतीय बुक कॉर्पोरेशन, दिल्ली, 2018

B. A.II-Sem. **Sanskrit**	**SAN-LN–211** **नीतिसाहित्य**
कुल अध्ययन काल खण्ड / व्याख्यान– 90 6 व्याख्यान ×18 सप्ताह प्रति सेमस्टर	**L T P C** **5 1 0 6**

इकाई 1 संस्कृत कवियों का सामान्य परिचय (भास, कालिदास, भारवि, बाणभट्ट, भवभूति, भर्तृहरि, राधावल्लभ त्रिपाठी) (L 15, T 3)

इकाई 2 नीतिशतक (पद्य 1–50) (L 15, T 3)

इकाई 3 नीतिशतक (पद्य 51–100) (L 15, T 3)

इकाई 4 पञ्चतन्त्र – क्षपणक कथा, सिहंकारक मूर्ख ब्राह्मण कथा (L 15, T 3)

इकाई 5 पञ्चतन्त्र – मूर्खपण्डित कथा, वानर–मकरमच्छ कथा, गंगदत्त मण्डूक कथा (L 15, T 3)

ग्रन्थ –

1. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास, आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी, वि.वि. प्रकाशन, वाराणसी।
2. नीतिशतकम, डॉ. राजेश्वर शास्त्री मुसलगांवकर, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी।
3. पञ्चतन्त्र, श्यामाचरण पाण्डेय, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी।

सहायकग्रन्थ –

1. संस्कृत सुकवि समीक्षा, बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, वाराणसी
3. संस्कृत साहित्य में नीतिकथा का उद्‌गम एवं विकास, डॉ. प्रभाकर नारायण कवठेकर चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन दिल्ली
4. संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, प्रो. रामजी उपाध्याय चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन दिल्ली
5. संस्कृत कविदर्शन, भोलाशंकर व्यास, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन दिल्ली
6. संस्कृत साहित्य का समग्र इतिहास (खण्ड 1–4), राधावल्लभ त्रिपाठी, न्यू भारतीय बुक कॉर्पोरेशन, दिल्ली, 2018

B. A. II-Sem. Sanskrit	SAN-FC–211 संस्कृत भाषा सम्प्रेषण
कुल अध्ययन काल खण्ड / व्याख्यान– 30 2 व्याख्यान ×15 सप्ताह प्रति सेमस्टर	L T P C 2 0 0 2

इकाई 1 शब्दरूप – राम, मुनि, गुरु, पितृ, आत्मन्, दण्डिन्, रमा, मति, कुमारी, मातृ, फल, वारि, मधु, पयस्, जगत्, अस्मद्, युष्मद्, तद्, यद्, इदम्, एतद्, किम (L 6)

इकाई 2 धातुरूप– पठ्, भू, कृ, अस्, लभ्–(लट्लकार, लृट्लकार, लङ्लकार, लोट्, विधिलिङ्) (L 6)

इकाई 3 सन्धि– यण्, गुण्, दीर्घ, अयादि, वृद्धि, श्चुत्व अनुनासिकत्व, जश्त्व, उत्व, सत्व। (L 6)

इकाई 4 विभक्त्यर्थ प्रकरण (लघुसिद्धान्त कौमुदी से) (L 6)

इकाई 5 कृत प्रत्यय– तव्यत् अनीयर्, मत्, क्त, क्तवतु, शतृ, तुमुन् क्त्वा, ल्यप्। वाक्य रचना (L 6)

मूलग्रन्थ –

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी, श्रीगोविन्दप्रसाद शर्मा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी।
2. लघुसिद्धान्तकौमुदी, धरानन्द शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी।
3. रचनानुवादकौमुदी,कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

सहायकग्रन्थ –

1. प्रारम्भिक रचनानुवादकौमुदी, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, वि.वि. प्रकाशन, वाराणसी
2. प्रौढरचनानुवादकौमुदी, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, वि.वि. प्रकाशन, वाराणसी
3. अष्टाध्यायीसहजबोध, पुष्पा दीक्षित,
4. संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका, बाबूराम सक्सेना, इलाहाबाद
5. संस्कृत साहित्य का समग्र इतिहास (खण्ड 1–4), राधावल्लभ त्रिपाठी, न्यू भारतीय बुक कॉर्पोरेशन, दिल्ली, 2018

B. A.III-Sem. Sanskrit	SAN-CC–311 संस्कृत नाट्य
कुल अध्ययन काल खण्ड / व्याख्यान– 90 6 व्याख्यान ×15 सप्ताह प्रति सेमस्टर	L T P C 5 1 0 6

इकाई 1 प्रतिमानाटकम् अंक–1 से 4 (L 15, T 3)

इकाई 2 अभिज्ञानशाकुन्तलम् अंक–4 (L 15, T 3)

इकाई 3 संस्कृत नाट्य के पारिभाषिक शब्द– अंक, स्वगत, प्रकाश, अपवारित, जनान्तिक, विष्कम्भक, प्रवेशक, चूलिका, आकाशभाषित एवं भरतवाक्य (L 15, T 3)

इकाई 4 संस्कृत नाट्य के पारिभाषिक शब्द– नाटक, नान्दी, प्रस्तावना, नायक, नायिका, सूत्रधार, नेपथ्य, कञ्चुकी एवं विदूषक। (L 15, T 3)

इकाई 5 संस्कृत के प्रमुख नाटककार शूद्रक, विशाखदत्त, भट्टनारायण, हर्ष भवभूति एवं उनकी कृतियों का समान्य परिचय (L 15, T 3)

मूलग्रन्थ –

1. प्रतिमानाटकम्, श्री जगन्नाथ पाठक, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी।
2. अभिज्ञानशाकुन्तलम्, सुबोध चन्द्र पंथ, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी।
3. दशरूपकम्, भोलाशंकर व्यास, चौखभ्बा विद्याभवन, वाराणसी।
4. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास, राधावल्लभ त्रिपाठी, वि.वि. प्रकाशन वाराणसी।

सहायकग्रन्थ –

1. कालिदास की लालित्य योजना, हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन दिल्ली।
2. संस्कृत सुकवि समीक्षा, बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, वाराणसी
4. नाट्यशास्त्र का इतिहास, डॉ. पारसनाथ द्विवेदी, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
5. नाट्यशास्त्रीयानुसन्धानम्, प्रो. रामजी उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
6. संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, प्रो. रामजी उपाध्याय चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन दिल्ली
7. संस्कृत साहित्य का समग्र इतिहास (खण्ड 1–4), राधावल्लभ त्रिपाठी, न्यू भारतीय बुक कॉर्पोरेशन, दिल्ली, 2018

B. A.III-Sem. Sanskrit	SAN-LN–311 उपनिषद् तथा गीता
कुल अध्ययन काल खण्ड / व्याख्यान– 90 6 व्याख्यान ×15 सप्ताह प्रति सेमस्टर	L T P C 5 1 0 6

इकाई 1 उपनिषद् साहित्य का सामान्य परिचय (L 15, T 3)

इकाई 2 ईशावास्योपनिषद् (L 15, T 3)

इकाई 3 गीता अध्याय –2, श्लोक 1 से 38 (L 15, T 3)

इकाई 4 गीता अध्याय –2, श्लोक 39 से 72 (L 15, T 3)

इकाई 5 सामान्य परिचय– आत्मा, ब्रह्म, ईश्वर, कर्म, सृष्टि (L 15, T 3)

मूलग्रन्थ –

1. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास, आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी, वि.वि. प्रकाशन, वाराणसी
2. ईशादि नौ उपनिषद् (शाङ्करभाष्यार्थ), गीता प्रेस गोरखपुर, सं. 2066।
3. श्रीमद्भगवद्गीता, गीता प्रेस गोरखपुर।
4. भारतीय दर्शन, पं. बलदेव उपाध्याय

सहायकग्रन्थ –

1. वैदिक साहित्य और संस्कृति – बलदेव उपाध्याय, वाराणसी, 1980।
2. वैदिक साहित्य तथा संस्कृति – कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी।
3. वैदिकसाहित्य का इतिहास, डॉ. पारस नाथ द्विवेदी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
4. Studies in Upanishads, Govind Gopal Mukhopadhyay, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
5. वैदिकसाहित्य का इतिहास, प्रो. राममूर्ति शर्मा, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली, 1986
6. संस्कृत साहित्य का समग्र इतिहास (खण्ड 1–4), राधावल्लभ त्रिपाठी, न्यू भारतीय बुक कॉर्पोरेशन, दिल्ली, 2018

B. A. III-Sem. Sanskrit	SAN-SE-311 भारतीय रंगमंच
कुल अध्ययन काल खण्ड / व्याख्यान– 30 2 व्याख्यान ×15 सप्ताह प्रति सेमस्टर	**L T P C** **2 0 0 2**

इकाई 1 भारतीय रंगमंच का इतिहास एवं परम्परा (L 6)

इकाई 2 रंगमंच के प्रकार तथा संरचना (L 6)

इकाई 3 अभिनय– आंगिक, वाचिक, सात्विक एवं आहार्य, नाट्य के भेदक तत्व– वस्तु, नेता, रस (L 6)

इकाई 4 नाट्य के प्रकार– नाटक, प्रकरण, भाण, प्रहसन, नाटिका (L 6)

इकाई 5 नाट्यशास्त्र प्रथम अध्याय श्लोक 1–50 (L 6)

मूलग्रन्थ –

1. नाट्यशास्त्र, भरतमुनि, पारसनाथ द्विवेदी, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी
2. संक्षिप्त नाट्यशास्त्र हिन्दी भाषा अुनवाद सहित, राधावल्लभ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन दिल्ली।
3. नाट्यशास्त्र का इतिहास, डॉ. पारसनाथ द्विवेदी, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
4. दशरूपक, भोलशंकर व्यास, चौखम्बा विद्याभवन, वारणसी।

सहायकग्रन्थ –

1. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास, आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी, वि.वि. प्रकाशन, वाराणसी
2. नाट्यशास्त्रीयानुसन्धानम्, प्रो. रामजी उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
3. नाटक और रंगमंच, सीताराम झा, बिहार संस्कृत प्रकाशन पटना।
4. संस्कृत नाट्य कला, रामलखन शुक्ल, परिमल पब्लिकेशन नई दिल्ली।
5. भरत नाट्यशास्त्र में नाट्यशालाओं के रूप, डॉ. राय गोविन्द चन्द्र, काशी मुद्रणालय, विश्वेश्वरगंज, वाराणसी।
6. संस्कृत साहित्य का समग्र इतिहास (खण्ड 1–4), राधावल्लभ त्रिपाठी, न्यू भारतीय बुक कॉर्पोरेशन, दिल्ली, 2018

B. A.IV-Sem. Sanskrit	SAN-CC-411 संस्कृत व्याकरण
कुल अध्ययन काल खण्ड / व्याख्यान– 90 6 व्याख्यान ×15 सप्ताह प्रति सेमस्टर	L T P C 5 1 0 6

इकाई 1 संज्ञाप्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी) (L 15, T 3)

इकाई 2 सन्धि– यण, गुण, दीर्घ, अयादि, वृद्धि और पूर्वरुप (L 15, T 3)

इकाई 3 सन्धि– श्चुत्व, ष्टुत्व, अनुनासिकत्व, छत्व, जश्त्व, उत्व, लोप, सत्व, रुत्व, (L 15, T 3)

इकाई 4 प्रत्यय– तव्यत्, तव्य, अनीयर, यत्, ण्यत, ण्वुल्, तृच्, अण्, क्त, क्तवतृ, शतृ, शानच्, तुमुन्, क्त्वा, ल्यप्, ल्युट्, टाप्, ङीप्, मतुप् (L 15, T 3)

इकाई 5 विभक्त्यर्थ प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी) (L 15, T 3)

मूलग्रन्थ –

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी, श्रीगोविन्दप्रसाद शर्मा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी।
2. लघुसिद्धान्तकौमुदी, धरानन्द शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी।

सहायकग्रन्थ –

1. रचनानुवादकौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2. व्यकरण चन्द्रोदय, चारुदेव शास्त्री, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली।
3. प्रारम्भिक रचनानुवादकौमुदी, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, वि.वि. प्रकाशन, वाराणसी
4. प्रौढरचनानुवादकौमुदी, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, वि.वि. प्रकाशन, वाराणसी
5. अष्टाध्यायीसहजबोध, पुष्पा दीक्षित,
6. संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका, बाबूराम सक्सेना, इलाहाबाद
7. संस्कृत साहित्य का समग्र इतिहास (खण्ड 1–4), राधावल्लभ त्रिपाठी, न्यू भारतीय बुक कॉर्पोरेशन, दिल्ली, 2018

B. A.IV-Sem. Sanskrit	SAN-LN-411 नीतिसाहित्य
कुल अध्ययन काल खण्ड / व्याख्यान– 90 6 व्याख्यान ×15 सप्ताह प्रति सेमस्टर	L T P C 5 1 0 6

इकाई 1 संस्कृत कवियों का सामान्य परिचय (भास, कालिदास, भारवि, बाणभट्ट, भवभूति, भर्तृहरि, राधावल्लभ त्रिपाठी) (L 15, T 3)

इकाई 2 नीतिशतक (पद्य 1–50) (L 15, T 3)

इकाई 3 नीतिशतक (पद्य 51–100) (L 15, T 3)

इकाई 4 पञ्चतन्त्र – क्षपणक कथा, सिहंकारक मूर्ख ब्राह्मण कथा (L 15, T 3)

इकाई 5 पञ्चतन्त्र– मूर्खपण्डित कथा, वानर–मकरमच्छ कथा, गंगदत्त मण्डूक कथा (L 15, T 3)

मूलग्रन्थ –

1. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास, आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी, वि.वि. प्रकाशन, वाराणसी।
2. नीतिशतकम, डॉ. राजेश्वर शास्त्री मुसलगांवकर, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी।
3. पञ्चतन्त्र , श्यामाचरण पाण्डेय, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी।

सहायकग्रन्थ –

1. संस्कृत सुकवि समीक्षा, बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, वाराणसी
3. संस्कृत साहित्य में नीतिकथा का उद्‌गम एवं विकास, डॉ. प्रभाकर नारायण कवठेकर चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन दिल्ली
4. संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, प्रो. रामजी उपाध्याय चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन दिल्ली
5. संस्कृत कविदर्शन, भोलाशंकर व्यास, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन दिल्ली
6. संस्कृत साहित्य का समग्र इतिहास (खण्ड 1–4), राधावल्लभ त्रिपाठी, न्यू भारतीय बुक कॉर्पोरेशन, दिल्ली, 2018

B. A. IV-Sem. **Sanskrit**	**SAN-SE- 411** **योगसूत्र**
कुल अध्ययन काल खण्ड/व्याख्यान– 30 2 व्याख्यान ×15 सप्ताह प्रति सेमस्टर	**L T P C** **2 0 0 2**

इकाई 1 आस्ति दर्शनों का सामान्य परिचय (L 6)

इकाई 2 पतञ्जलिकृत योगसूत्र– समाधिपाद (सूत्र 1–25) (L 6)

इकाई 3 पतञ्जलिकृत योगसूत्र– समाधिपाद (सूत्र 26–अन्त तक) (L 6)

इकाई 4 पतञ्जलिकृत योगसूत्र– साधनपाद (सूत्र 1–25) (L 6)

इकाई 5 पतञ्जलिकृत योगसूत्र– साधनपाद (सूत्र 26–अन्त तक), विभूतिपाद (सूत्र 1–3) (L 6)

मूलग्रन्थ –

1. पातञ्जलयोगदर्शनम्, डॉ. सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी।
2. पातञ्जल योगदर्शन, गीता प्रेस गोरखपुर।
3. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास, आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी, वि.वि. प्रकाशन, वाराणसी।

सहायकग्रन्थ –

1. योगप्रदीप, गीता प्रेस गोरखपुर।
2. योग सिद्धान्त एवं साधना, डॉ. हरिकृष्ण दातार, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी।
3. योग एवं योगिक चिकित्सा, प्रो. रामहर्ष सिंह, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी।
4. संस्कृत साहित्य का समग्र इतिहास (खण्ड 1–4), राधावल्लभ त्रिपाठी, न्यू भारतीय बुक कॉर्पोरेशन, दिल्ली, 2018

B.A. V- Sem. **Sanskrit**	**SAN-SE-511** **आयुर्वेद के मूल तत्त्व**
कुल अध्ययन काल खण्ड/व्याख्यान– 30 2 व्याख्यान ×15 सप्ताह प्रति सेमस्टर	**L T P C** **2 0 0 2**

इकाई 1 आयुर्वेद का परिचय, भारतीय चिकित्साशास्त्र का इतिहास (चरक के पूर्व), आयुर्वेद के दो सम्प्रदाय–धन्वन्तरि, पुनर्वसु, आयुर्वेद के प्रमुख आचार्य– चरक, सुश्रुत, वाग्भट, माधव, शाङ्र्गधर, भावमिश्र

इकाई 2 चातुर्वर्ण्य हितोपदेश (आयुर्वेदीय हितोपदेश से)

इकाई 3 चरकसंहिता–(सूत्र स्थानम्): षड् ऋतुओं में काल विभाजन, प्राकृतिक तथा शारीरिक स्थिति (चरकसंहिता सूत्रस्थान अध्याय–6), षड् ऋतुओं के आहार (चरक संहिता)

इकाई 4 तैत्तिरीयोपनिषद्– भृगुवल्ली, अनुवाक 1–6

इकाई 5 तैत्तिरीयोपनिषद्– भृगुवल्ली, अनुवाक 7–10

मूलग्रन्थः–

1. चरकसंहिता, ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2005
2. तैत्तिरीयोपनिषद्, गीता प्रेस गोरखपुर
3. चरक संहिता, डॉ. लक्ष्मीधर द्विवेदी, चौखम्बा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी,2013
4. आयुर्वेदीय हितोपदेश, रंजीत राय देसाई, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

सहायकग्रन्थः–

1. आयुर्वेद का बृहद् इतिहास, अत्रिदेव विद्यालङ्कार
2. चरकचिन्तन, प्रियव्रत शर्मा
3. V. Narayanaswami, Origin and Development of Āyurveda (A brief history), Ancient Science of life, Vol. 1, No. 1, July 1981, pages 1-7.
4. संस्कृत साहित्य का समग्र इतिहास (खण्ड 1–4), राधावल्लभ त्रिपाठी, न्यू भारतीय बुक कॉर्पोरेशन, दिल्ली, 2018

B.A. V - Sem. **Sanskrit**	**SAN-EC-511** **संस्कृत परम्परा में दर्शन, धर्म एवं संस्कृति**
कुल अध्ययन काल खण्ड/व्याख्यान– 90 6 व्याख्यान ×15 सप्ताह प्रति सेमस्टर	**L T P C** **5 1 0 6**

इकाई 1 साकार और निराकार ब्रह्म के उपासक, भगवत् प्राप्त पुरुषों के लक्षण (गीता अध्याय 12)

इकाई 2 धर्म–दस लक्षण (मनुस्मृति 6.92), सत्य, अहिंसा, अस्तेय, अपरिग्रह, पञ्चमहायज्ञ के लक्षण, तीन ऋण का सिद्धान्त।

इकाई 3 ईश्वर की संकल्पना, ईश्वर की लीला और कृपा, भाग्य और पुरुष्कार, अदृष्ट, त्रिविध कर्म–संचित, क्रियमाण, प्रारब्ध

इकाई 4 षोडश संस्कारों का महत्त्व, पुरुषार्थ का सिद्धान्त

इकाई 5 स्वधर्म, कर्मयोग, स्थितप्रज्ञ (गीता अध्याय 2), प्रकृति, तीन गुण (सत्त्व, रजस, तमस्) और उनका व्यक्तित्व पर प्रभाव। (गीता अध्याय 14)

मूलग्रन्थ –

1. श्रीमद्भगवद्गीता, गीताप्रेस, गोरखपुर
2. हिन्दू संस्कार, राजबली पाण्डेय

सहायकग्रन्थ –

1. Gītā, Radhakrushana
2. भारतीय संस्कृति, शिवदत्त ज्ञानी।
3. धर्मशास्त्र का इतिहास (खण्ड –I), पी.बी. काणे
4. संस्कृत साहित्य का समग्र इतिहास (खण्ड 1–4), राधावल्लभ त्रिपाठी, न्यू भारतीय बुक कॉर्पोरेशन, दिल्ली, 2018

B.A. V - Sem. Sanskrit	SAN-EC-512 व्यक्तित्व विकास में भारतीय दृष्टिकोण
कुल अध्ययन काल खण्ड / व्याख्यान– 90 6 व्याख्यान ×15 सप्ताह प्रति सेमस्टर	L T P C 5 1 0 6

इकाई 1 ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य–ऋग्वेद–1.164.37,
छान्दोग्योपनिषद्–VI.2.3, VI.8.6, VIII.1.4, बृहदारण्यकोपनिषद्–II.5.18-19,
श्रीमद्भगवद्गीता, अध्याय–1(श्लोक–1 से 30 तक)

इकाई 2 क्षेत्र और क्षेत्रज्ञ (गीता अध्याय–13 श्लोक 1,2,5,6,19–23)
अक्षर और क्षर (गीता अध्याय–15 श्लोक 7–11, 16, 19)
व्यक्ति के प्रकार– (गीता अध्याय–14 श्लोक 5–14, अध्याय 17 श्लोक 2–6,11,21)

इकाई 3 व्यवहार में सुधार के उपाय
(गीता अध्याय–2 श्लोक 59,60,64,68, अध्याय 3 श्लोक 41–43, अध्याय 6 श्लोक 19–23, अध्याय 9 श्लोक 3,22–28,30–34)

इकाई 4 स्वधर्म– (गीता अध्याय– 2 श्लोक 31,41–44,
अध्याय 3 श्लोक 4,5,8,9,27–30,33–34, अध्याय 4 श्लोक 18–22, अध्याय 5 श्लोक 11–12)

इकाई 5 श्रीमद्भगवद्गीता (गीता अध्याय 18 श्लोक 41–62)

मूलग्रन्थ –

1. श्रीमद्भगवद्गीता, गीताप्रेस, गोरखपुर
2. हिन्दू संस्कार, राजबली पाण्डेय

सहायकग्रन्थ –

1. Gītā, Radhakrushana
2. भारतीय संस्कृति, शिवदत्त ज्ञानी।
3. धर्मशास्त्र का इतिहास (खण्ड –I), पी.बी. काणे
4. संस्कृत साहित्य का समग्र इतिहास (खण्ड 1–4), राधावल्लभ त्रिपाठी, न्यू भारतीय बुक कॉर्पोरेशन, दिल्ली, 2018

B. A. V-Sem. Sanskrit	SAN-GE-511 संस्कृत छन्द एवं गान
कुल अध्ययन काल खण्ड / व्याख्यान– 90 6 व्याख्यान ×15 सप्ताह प्रति सेमस्टर	L T P C 5 1 0 6

इकाई 1 छन्दशास्त्र का सामान्य परिचय, छन्द के तत्त्व – अक्षर वृत्त, वर्ण वृत्त, मात्रा वृत्त, लघु, गुरु, गण, पाद

इकाई 2 लक्षण, उदाहरण, व्याख्या एवं गान पद्धति – गायत्री, उष्णिक्, अनुष्टुप्, बृहती, पंक्ति, त्रिष्टुप्, जगती

इकाई 3 लक्षण, उदाहरण, व्याख्या– भुजङ्गप्रयात, स्रग्विणी, तोटक, हरिगीतिका, विद्युन्माला, अनुष्टुप्, आर्या, मालिनी

इकाई 4 लक्षण, उदाहरण, व्याख्या– अपरवक्त्र, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा उपजाति, द्रुतविलम्बित, वंशस्थ, वियोगिनी, शार्दूलविक्रीडित

इकाई 5 लक्षण, उदाहरण, व्याख्या– हरिणी, मञ्जुभाषिणी, पृथ्वी, रथोद्धता, शिखरिणी, वसन्ततिलका, मन्दाक्रान्ता, स्रग्धरा,

मूलग्रन्थ –

1. छन्दोमंजरी, परमेश्वरदीन पाण्डेय, चौखम्बा कृष्णदास अकादमी वाराणसी, 2009
2. धरानन्द शास्त्री (संपा.), केदारभट्ट विरिचत वृत्तरत्नाकर, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 2004

सहायक ग्रन्थ –

1. Brown, Charles Philip (1869). Sanskrit Prosody and Numerical Symbols Explained. London: Trübner & Co.
2. Deo, Ashwini. S (2007). The Metrical Organization of Classical Sanskrit Verse, (PDF). Journal of Linguistics 43 (01): 63–114. doi:10.1017/s0022226706004452.
3. Recordings of recitation: H. V. Nagaraja Rao (ORI, Mysore), Ashwini Deo, Ram Karan Sharma, Arvind Kolhatkar.
4. Online Tools for Sanskrit Meter developed by Computational Linguistics Group, Department of Sanskrit, University of Delhi: http://sanskrit.du.ac.in
5. संस्कृत साहित्य का समग्र इतिहास (खण्ड 1–4), राधावल्लभ त्रिपाठी, न्यू भारतीय बुक कॉर्पोरेशन, दिल्ली, 2018

B. A.V-Sem. Sanskrit	SAN-GE-512 संस्कृत में राजनीतिक विचार
कुल अध्ययन काल खण्ड / व्याख्यान– 90 6 व्याख्यान ×15 सप्ताह प्रति सेमस्टर	L T P C 5 1 0 6

इकाई 1 भारतीय राजनीतिक विचारों का धर्म, अर्थ और नीति से सम्बन्ध, प्राचीन भारतीय राजनीतिक विचारों के स्रोत–वैदिक साहित्य, पुराण, रामायण, महाभारत, धर्मशास्त्र, नीतिशास्त्र, दण्डनीति, कौटिल्य का अर्थशास्त्र। प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिन्तक–मनु, शुक्राचार्य, कौटिल्य।

इकाई 2 राज्य की प्रकृति, प्रकार एवं अवधारणा – अर्थशास्त्र (6.1), मनुस्मृति (9.294), सप्त राज्याङ्ग, राज्य के प्रकार (ऐतरेय ब्राह्मण 8.3.13–14, 8.4.15–16)

इकाई 3 जनता के द्वारा राजा का चयन (ऋग्वेद 10.173,10.174), अथर्ववेद 3.4.2 ; 6.87. 1–2) संसदीय संस्थाएं– सभा, समिति , विदथ (अथर्ववेद 7.12.1, 12.1.6, ऋग्वेद 10.85.26) राजकर्तार : रत्नीस (अथर्ववेद 3.5.6–7, शतपथब्राह्मण 5.2.5.1) सम्राट का राज्याभिषेक (शतपथब्राह्मण 5.1.1.8–13, 9.4.1.1–5), बुद्धकाल में गणराज्य (दीग्गनिकाय, महापरिनिब्बान सुत्त, अंगुत्तरनिकाय 1.213 ; 4.252, 256)

इकाई 4 सुराज्य (अर्थशास्त्र 1.13), राजा के आवश्यक गुण (अर्थशास्त्र 6.1.16–18) राजधर्म (महाभारत शान्ति पर्व 120.1–15 ; मनुस्मृति 7.1–15)

इकाई 5 मण्डल, षाड्गुण्य– सन्धि, विग्रह, यान, आसन, संश्रय, द्वैधीभाव, चतुर्विध उपाय–साम, दाम, भेद, दण्ड।

मूलग्रन्थ –

1. कौटिल्यीय अर्थशास्त्र, उदयवीर शास्त्री (अनु.) मेहरचन्द लक्ष्मनदास, दिल्ली, 1968
2. महाभारत (1.6 भाग) हिन्दी अनुवाद सहित, रामनारायण दत्त शास्त्री पाण्डेय (अनु.) गीताप्रेस, गोरखपुर
3. शतपथब्राह्मण (1–5 भाग) माध्यन्दिनीय शाखा, सायणाचार्य एवं हरिस्वामी टीकासहित,दिल्ली
4. शुक्रनीति हिन्दी अनुवाद, ब्रह्मशंकर मिश्र, चौखम्भा संस्कृत सीरीज, वाराणसी, 1968
5. श्रीमद्वाल्मीकिरामायणम् (1–2 भाग)हिन्दी अनुवाद सहित, जानकीनाथ शर्मा (संपा), गीताप्रेस गोरखपुर
6. संस्कृत साहित्य में राष्ट्रवाद एवं भारतीय राजशास्त्र, शशि तिवारी, विद्यानिधि प्रकाशन दिल्ली ,2013
7. दीर्घनिकाय (1–2), जे. कश्यप, बिहार

सहायकग्रन्थ –

1. वैदिक साहित्य और संस्कृति – बलदेव उपाध्याय, वाराणसी, 1980।
2. वैदिक साहित्य तथा संस्कृति – कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी।
3. वैदिकसाहित्य का इतिहास, डॉ. पारस नाथ द्विवेदी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
4. Studies in Upanishads, Govind Gopal Mukhopadhyay, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
5. संस्कृत साहित्य का समग्र इतिहास (खण्ड 1–4), राधावल्लभ त्रिपाठी, न्यू भारतीय बुक कॉर्पोरेशन, दिल्ली, 2018

B.A. VI - Sem. **Sanskrit**	**SAN-SE-611** **ज्योतिष के मूल तत्त्व**
कुल अध्ययन काल खण्ड / व्याख्यान– 30 2 व्याख्यान ×15 सप्ताह प्रति सेमस्टर	**L T P C** **2 0 0 2**

इकाई 1 ज्योतिष का मूलस्रोत एवं विकास, सिद्धान्त, संहिता, होरा, ताजिक, प्रश्न, वास्तुशास्त्र, मुहूर्तशास्त्र का सामान्य परिचय

इकाई 2 ज्योतिषचन्द्रिका–संज्ञा प्रकरण (1–29)

इकाई 3 ज्योतिषचन्द्रिका–संज्ञा प्रकरण (30–65)

इकाई 4 ज्योतिषचन्द्रिका–संज्ञा प्रकरण (66–90)

इकाई 5 ज्योतिषचन्द्रिका–संज्ञा प्रकरण (91–115)

मूलग्रन्थ –

1. ज्योतिष चन्द्रिका, रेवती रमण शर्मा
2. बृहद्संहिता, अहेतानन्द झा, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
3. भारतीय ज्योतिष, शंकर बालकृष्ण दीक्षित, शिवनाथ झारखण्डी, हिन्दी समिति, लखनऊ (उ.प्र.)

सहायक ग्रन्थ –

1. भारतीय ज्योतिष, एन. शास्त्री, भारतीय ज्ञानपीठ, वाराणसी
2. बृहत्संहिता भाग 1–2 एम. रामकृष्ण भट, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
3. ब्रह्माण्ड एवं सौर परिवार, देवी प्रसाद त्रिपाठी, दिल्ली
4. भुवनकोश, देवीप्रसाद त्रिपाठी, दिल्ली
5. संस्कृत साहित्य का समग्र इतिहास (खण्ड 1–4), राधावल्लभ त्रिपाठी, न्यू भारतीय बुक कॉर्पोरेशन, दिल्ली, 2018

B.A. VI - Sem. Sanskrit	SAN-EC-611 काव्यशास्त्र
कुल अध्ययन काल खण्ड/व्याख्यान – 90 6 व्याख्यान ×15 सप्ताह प्रति सेमस्टर	L T P C 5 1 0 6

इकाई 1 काव्यशास्त्र परम्परा–भामह, वामन, दण्डी, आनन्दवर्धन, कुन्तक, क्षेमेन्द्र, जगन्नाथ, राजेन्द्र मिश्र तथा राधावल्लभ त्रिपाठी का काव्यशास्त्रीय योगदान

इकाई 2 मम्मट का सामान्य परिचय तथा काव्यशास्त्रीय योगदान, काव्यप्रकाश– मङ्गलाचरण तथा काव्य भेद

इकाई 3 काव्यप्रकाश– काव्य प्रयोजन, परवर्ती काव्यप्रयोजनों पर प्रभाव, काव्य कारण, परवर्ती काव्य कारणों पर प्रभाव

इकाई 4 काव्यप्रकाश– काव्य स्वरूप, परवर्ती काव्यलक्षणों पर प्रभाव

इकाई 5 साहित्यदर्पण (प्रथम परिच्छेद)

मूलग्रन्थ –

1. काव्यप्रकाश, मम्मट, विश्वेश्वर, ज्ञानमण्डल, वाराणसी, 2014
2. अभिराजयशोभूषणम्, अभिराज राजेन्द्र मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद
3. अभिनवकाव्यालङ्कारसूत्रम्, राधावल्लभ त्रिपाठी, अनु. रमाकान्त पाण्डेय
4. साहित्यदर्पण, विश्वनाथ, डॉ. सत्यव्रत सिंह

सहायक ग्रन्थ–

1. आधुनिक संस्कृत काव्यशास्त्र, डॉ. आनन्द कुमार श्रीवास्तव
2. सागरिका, अंक 39/2 काव्यशास्त्र विशेषाङ्क, संस्कृत विभाग, डॉ. हरीसिंह गौर वि. वि.,सागर
3. संस्कृत साहित्य का समग्र इतिहास (खण्ड 1–4), राधावल्लभ त्रिपाठी, न्यू भारतीय बुक कॉर्पोरेशन, दिल्ली, 2018

B.A. VI-Sem. **Sanskrit**	**SAN-EC–612** **संस्कृत साहित्य में राष्ट्रियता**
कुल अध्ययन काल खण्ड / व्याख्यान– 90 6 व्याख्यान ×15 सप्ताह प्रति सेमस्टर	**L T P C** **5 1 0 6**

इकाई 1 'राष्ट्र' शब्द की व्युत्पत्ति, अर्थ एवं परिभाषा, राष्ट्र के तत्त्व (अथर्ववेद–11.9.17, 12.1.1–12, शुक्लयजुर्वेद – 22.22), राज्य के सप्ताङ्ग (कौटिल्य अर्थशास्त्र–6.1, महाभारत शांतिपर्व–56.5), शुक्रनीति (1.61–62)

इकाई 2 राष्ट्रियता – अर्थ, परिभाषा, घटक, सामाजिक समरसता, देशभक्ति, स्वतन्त्रता, धार्मिक सहिष्णुता, राष्ट्रिय एकता, विश्व बन्धुत्व, राष्ट्रिय चेतना, विविधता में एकता, राष्ट्रगौरव, सांस्कृतिक चेतना, देश के भारतवर्ष नामकरण के विविध चिन्तन, राष्ट्रीय गीत (वन्देमातरम्), मुण्डकोपनिषद् (3.1.6)

इकाई 3 स्वतन्त्रता पूर्व आधुनिक संस्कृत साहित्य में राष्ट्रियता (छत्रपतिसाम्राज्यम्)

इकाई 4 समकालीन संस्कृत साहित्य में गांधीवादी विचार–ग्राम स्वराज, सत्याग्रह, अहिंसा, प्रजातन्त्र, धार्मिक सहिष्णुता, (सत्याग्रहगीता, भारतविजयनाटकम्, द्वा सुपर्णा)

इकाई 5 अन्त्यजोद्धारः, स्वातन्त्र्यचिन्ता–पंडिता क्षमाराव, भारतम्–जानकीवल्लभशास्त्री, भाति मे भारतम् (पद्य 1–10)– रमाकान्त शुक्ल

मूलग्रन्थ –

1. सत्याग्रहगीता, पंडिता क्षमाराव
2. भारतविजयनाटक, मथुराप्रसाद दीक्षित
3. नवस्पन्द, म.प्र. हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल, 2002
4. भाति मे भारतम्, रमाकान्त शुक्ल, देववाणी परिषद्, नई दिल्ली
5. कौटिल्यीय अर्थशास्त्र, उदयवीर शास्त्री (अनु.) मेहरचन्द लक्ष्मनदास, दिल्ली, 1968
6. महाभारत (1.6 भाग) हिन्दी अनुवाद सहित, रामनारायण दत्त शास्त्री पाण्डेय (अनु.) गीताप्रेस, गोरखपुर ।
7. यजुर्वेद हिन्दी अनुवाद सहित, श्रीपाद दामोदर सातवलेकर, पारडी
8. शुक्रनीति हिन्दी अनुवाद, ब्रह्मशंकर मिश्र, चौखम्भा संस्कृत सीरीज, वाराणसी, 1968
9. महात्मागांधीपरक संस्कृत काव्य, कुमुद टंडन, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली, 1991
10. संस्कृत साहित्य में राष्ट्रीय भावना, हरिनारायण दीक्षित, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली, 2006

सहायकग्रन्थ –

1. शतपथब्राह्मण (1–5 भाग) माध्यन्दिनीय शाखा, सायणाचार्य एवं हरिस्वामी टीकासहित,दिल्ली
2. अनूप चन्द कपूर, राजनीतिविज्ञान के सिद्धान्त, प्रीमियर पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1967
3. शशि तिवारी, राष्ट्रीयता एवं भारतीय साहित्य, विद्यानिधि प्रकाशन दिल्ली, 2007
4. शशि तिवारी, संस्कृत साहित्य में राष्ट्रवाद एवं भारतीय राजशास्त्र विद्यानिधि प्रकाशन दिल्ली ,2013
5. पुष्पेन्द्र कुमार (सम्पा.), पुराणों मे राष्ट्रीय एकता, नाग प्रकाशन दिल्ली ।
6. संस्कृत साहित्य का समग्र इतिहास (खण्ड 1–4), राधावल्लभ त्रिपाठी, न्यू भारतीय बुक कॉर्पोरेशन, दिल्ली, 2018

B.A. VI-Sem. **Sanskrit**	**SAN-GE–611** **संस्कृत साहित्य में नैतिक विषय**
कुल अध्ययन काल खण्ड/व्याख्यान– 90 6 व्याख्यान ×15 सप्ताह प्रति सेमस्टर	**L T P C** **5 1 0 6**

इकाई 1 अभिज्ञानशाकुन्तलम् अंक–5, रघुवंश सर्ग–1 श्लोक 5–9

इकाई 2 युद्ध की आलोचना (महा.स्त्री पर्व अ.13–15)
युद्ध सम्बन्धी मत (मनुस्मृति 7.87–93, 199–200)

इकाई 3 मूलरामायणम् (वा.रा.बालकाण्ड, प्रथसर्ग)

इकाई 4 आत्मसम्मान– नीतिशतकम् पद्य 26–38, भगवत् प्रिय पुरुषों के लक्षण (गीता अध्याय 12 श्लोक 13–20)

इकाई 5 स्वधर्म, स्थितप्रज्ञ आदि (गीता अध्याय–2)

मूलग्रन्थ –

1. कालिदास ग्रन्थावली, उ.प्र. संस्कृत संस्थान, लखनऊ, ष. सं. 2063 वि.
2. महाभारत (हिन्दी अनुवाद सहित), गीता प्रेस गोरखपुर
3. अभिज्ञानशाकुन्तलम्, कपिलदेव द्विवेदी, इलाहाबाद
4. नीतिशतकम्, डॉ. राजेश्वर शास्त्री मुसलगाँवकर, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी, तृ.सं.2011
5. वाल्मीकीरामायण भाग–1, गीताप्रेस, गोरखपुर
6. श्रीमद्भागवतगीता, गीताप्रेस, गोरखपुर

सहायकग्रन्थ –

1. नीतिशतकम्, डी.डी. कोशाम्बी, भारतीय विद्याभवन, मुम्बई, 1946
2. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास, आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी, वि.वि. प्रकाशन, वाराणसी।
3. संस्कृत साहित्य का समग्र इतिहास (खण्ड 1–4), राधावल्लभ त्रिपाठी, न्यू भारतीय बुक कॉर्पोरेशन, दिल्ली, 2018

B.A. VI-Sem. **Sanskrit**	**SAN-GE–612** **संस्कृत भाषा विज्ञान के मूल तत्त्व**
कुल अध्ययन काल खण्ड / व्याख्यान– 90 6 व्याख्यान ×15 सप्ताह प्रति सेमस्टर	**L T P C** **5 1 0 6**

इकाई 1 भाषा, भाषाविज्ञान एवं भारतीय भाषा–परिवार का परिचय

इकाई 2 ध्वनिविज्ञान–स्वनविज्ञान, श्रौतिकी संवाहिकी औच्चारिकी, उच्चारण स्थान, द्वयोष्ठ ध्वनियाँ, दन्त्योष्ठ, वर्त्स्य, तालव्य, कण्ठ्य, काकल्य, प्रयत्न – स्पर्श, संघर्षी ध्वनियां, स्पर्श संघर्षी, तरलस्वन, विसर्प, श्रुति स्वन

इकाई 3 रूपविज्ञान, पूर्वसर्ग, मध्यसर्ग, अन्तसर्ग प्रत्यय, वाक्य विज्ञान–पदबन्ध, संरचना, वाक्य के प्रकार, कर्मवाच्य, कर्तृवाच्य

इकाई 4 अर्थविज्ञान – कथ्यगत भूमिका, वाक्यार्थ, प्रकरणार्थ, अर्थ परिवर्तन की दिशाएं, अर्थपरिवर्तन के कारण

इकाई 5 पाणिनीयशिक्षा (कारिका – 1–26, 38–40)

मूलग्रन्थ –

1. तुलनात्मक भाषाविज्ञान, भोलानाथ तिवारी, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
2. भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3. भाषाविज्ञान की भूमिका, देवेन्द्रनाथ शर्मा, राजकमल, प्रकाशन, दिल्ली
4. पाणिनीयशिक्षा, शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2007

सहायकग्रन्थ–

1. भाषाविज्ञान, कर्ण सिंह, साहित्य भण्डार, मेरठ
2- T. Burrow, Sanskrit Language.
3- B.K., Ghosh, Linguistics Introduction to Sanskrit, Sanskrit Pustaka Bhandar, Calcutta,1977
4- S.K Verma and N. Krishnaswamy, Modern Linguistics, Oxford University Press, Delhi.
5. An Introduction to Language by Victoria Fromkin and Robert Rodman, 6th Ed
6. Schmitt, N. (2002). An Introduction to Applied Linguistics. Oxford: Oxford University Press.
7. Noam Chomsky, David W. Lightfoot, Syntactic Structures, Walter de Gruyter, 2002.
8. संस्कृत साहित्य का समग्र इतिहास (खण्ड 1–4), राधावल्लभ त्रिपाठी, न्यू भारतीय बुक कॉर्पोरेशन, दिल्ली, 2018